



24वीं आसियान-भारत बैठक

प्रलिस के लयः

आसयान, एक्ट ईस्ट पॉलसी, इंडो-पैसफिक पर आसयान आउटलुक ।

मेन्स के लयः

भारत के लयः आसयान का महत्त्व, भारत-आसयान सहयोग के क्षेत्र ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 24वीं आसयान-भारत वरषिट अधिकारी बैठक (SoM) का आयोजन दलली में कयः गया ।

- भारत और आसयान ने अपने संवाद संबंधों की 30वीं वरषगाँठ मनाई ।
- इससे पहले भारत के साथ आसयान देशों के डजिटल मंत्रियों (ADGMIN) की दूसरी बैठक आयोजति की गई तथा इस दौरान क्षेत्र में भवष्य के सहयोग के लयः भारत-आसयान डजिटल कार्य योजना वरष 2022 को अंतमि रूप दयः गया ।

दक्षणि-पूर्व एशयाई राष्ट्र संघः

- परचयः
 - यह एक क्षेत्रीय समूह है जो आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है ।
 - इसकी स्थापना अगस्त 1967 में बैंकॉक, थाईलैंड में आसयान के संस्थापकों, अर्थात् इंडोनेशया, मलेशया, फलीपीस, सगिपुर एवं थाईलैंड द्वारा आसयान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर के साथ की गई ।
 - इसके सदस्य राज्यों को अंगरेजी नामों के वरणानुक्रम के आधार पर इसकी अध्यक्षता वार्षिक रूप से प्रदान की जाती है ।
 - आसयान देशों की कुल आबादी 650 मिलियन है और संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है । यह लगभग 86.9 बलियन अमेरिकी डॉलर के व्यापार के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है ।
- सदस्यः
 - आसयान दस दक्षणि पूर्व एशयाई देशों- बुरुनेई, कंबोडया, इंडोनेशया, लाओस, मलेशया, म्याँमार, फलीपीस, सगिपुर, थाईलैंड और वयितनाम को एक एक मंच पर लाता है ।

ASEAN GROUPING



प्रमुख बटु

- SOM ने आसियान-भारत रणनीतिक साझेदारी और इसकी भविष्य की दशा की समीक्षा की।
- नेताओं ने साझेदारी के तीन स्तंभों- राजनीतिक-सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक के तहत सहयोग की प्रगति पर अपना आकलन किया।
- बैठक में आसियान-भारत कार्ययोजना (2021-2025) के आगे कार्यान्वयन के लिये चरणों पर विचार-विमर्श किया गया।
- दोनों पक्षों ने कोविड-19 महामारी और महामारी के बाद के सुधार सहित पारस्परिक हित क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।
- भारत-प्रशांत क्षेत्र के भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए आसियान-भारत रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने के लिये [आसियान आउटलुक ऑन इंडो-पैसिफिक \(AOIP\)](#) के सहयोग पर आसियान-भारत संयुक्त वक्तव्य के कार्यान्वयन पर ज़ोर दिया गया।
- आसियान ने इस क्षेत्र में आसियान और आसियान के नेतृत्व वाले नरिमाण के लिये भारत के समर्थन की सराहना की।

आसियान-भारत संबंध:

- परिचय:
 - आसियान 10 देशों का समूह, दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है।
 - भारत और अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद भागीदार हैं।
 - आसियान-भारत संवाद संबंध 1992 में एक क्षेत्रीय साझेदारी की स्थापना के साथ शुरू हुए।
 - यह दिसंबर 1995 में पूर्ण संवाद साझेदारी और 2002 में शिखर-स्तरीय साझेदारी की ओर अग्रसर हुआ।
 - परंपरागत रूप से भारत-आसियान संबंधों का आधार साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों के चलते व्यापार एवं लोगों से लोगों के बीच संबंध रहा है, हालांकि क्षेत्रों का अभिसरण का एक और ज़रूरी क्षेत्र चीन के उदय को संतुलित कर रहा है।
 - भारत और आसियान दोनों का लक्ष्य चीन की आक्रामक नीतियों के विपरीत क्षेत्र में शांतिपूर्ण विकास के लिये एक नियम-आधारित सुरक्षा ढाँचा स्थापित करना है।
- सहयोग के क्षेत्र:
 - आर्थिक सहयोग:
 - आसियान भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
 - भारत ने वर्ष 2009 में वस्तु क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौता और 2014 में आसियान के साथ सेवाओं व निवेश में एक एफटीए पर हस्ताक्षर किये।
 - भारत का आसियान क्षेत्र के विभिन्न देशों के साथ एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता है, जिसके परिणामस्वरूप रियायती व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है।
 - राजनीतिक सहयोग:
 - आसियान-भारत केंद्र (एआईसी) की स्थापना भारत और आसियान में संगठनों एवं थकि-टैंक के साथ नीति अनुसंधान, वकालत व

नेटवर्कगि गतविधियों को विकसित करने के लिये की गई थी।

◦ **वर्ततीय सहायता:**

- भारत, आसियान-भारत सहयोग कोष, आसियान-भारत वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास कोष और आसियान-भारत ग्रीन फंड जैसे वभिन्न तंत्रों के माध्यम से आसियान देशों को वर्ततीय सहायता प्रदान करता है।

◦ **कनेक्टविटी:**

- भारत, भारत-म्यांमार -थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टीमॉडल परियोजना जैसी कई कनेक्टविटी परियोजनाएँ चला रहा है।
- भारत आसियान के साथ एक समुद्री परविहन समझौता स्थापित करने का भी प्रयास कर रहा है और नई दल्लि तथा हनोई के बीच एक रेलवे लकि की भी योजना बना रहा है।

◦ **सामाजिक-सांस्कृतिक सहयोग:**

- आसियान के माध्यम से लोगों से लोगों की बातचीत को बढ़ावा देने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जैसे क आसियान के छात्रों को भारत में आमंत्रित करना, आसियान राजनयिकों के लिये विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, सांसदों का आदान-प्रदान आदि।

◦ **रक्षा सहयोग:**

- संयुक्त नौसेना और सैन्य अभ्यास भारत एवं अधिकांश आसियान देशों के बीच आयोजित किये जाते हैं।
- वयितनाम परंपरागत रूप से रक्षा मुद्दों पर घनषिठ मतिर रहा है, सगिापुर भी उतना ही महत्त्वपूर्ण भागीदार है।

भारत के लिये आसियान का महत्त्व:

- भारत को आर्थिक और सुरक्षा कारणों से आसियान देशों के साथ घनषिठ राजनयिक संबंध स्थापित करने की आवश्यकता है।
- आसियान देशों के साथ जुड़ाव भारत को इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति में सुधार करने की आवश्यकता पर बल देता है।
 - ये कनेक्टविटी परियोजनाएँ पूर्वोत्तर भारत को केंद्र में रखती हैं, जसिसे पूर्वोत्तर राज्यों की आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित होती है।
- आसियान देशों के साथ बेहतर व्यापार संबंधों का अर्थ होगा इस क्षेत्र में चीन की उपस्थितिको भारत के आर्थिक विकास और वृद्धिसे प्रतसंतुलित करना।
- आसियान भारत-प्रशांत में नयिम-आधारित सुरक्षा में एक केंद्रीकृत स्थतिरिखता है, जो भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसका अधिकांश व्यापार समुद्री सुरक्षा पर निर्भर है।
- पूर्वोत्तर में उग्रवाद का मुकाबला करने, आतंकवाद का मुकाबला करने, कर चोरी आदि के लिये आसियान देशों के साथ सहयोग आवश्यक है।

आगे की राह

- चीन के पास भारत की तुलना में दक्षिण-पूर्व एशिया के लिये तीन गुना अधिक वाणज्यिक उड़ानें हैं, भारत और आसियान देशों के बीच हवाई संपर्क भी सुधार एजेंडे में उच्च प्राथमिकता के साथ शामिल होना चाहिये।
- आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया परियोजनाओं के सफलतापूर्वक लागू होने के बाद भारत सैन्य भागीदार बन सकता है।
- आसियान देशों को शामिल करने और QUAD+ व्यवस्था बनने के लिये QUAD की अवधारणा का वसितार करने की आवश्यकता है।
 - वयितनाम और इंडोनेशिया ने इस क्षेत्र में क्वाड पर सकारात्मक टपिपणी की है।
- दोनों पक्षों द्वारा कुछ रचनात्मक ब्रांडिंग के साथ भारत और आसियान के बीच पर्यटन को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

स्रोत: द हद्दि